By :- Sunita Kumari
Dept. of History
J.N.C Madhubani

गौरवपूर्ण क्रांति के परिणाम

(The effects of the Glorious Revolution in England)

1. इंगलैण्ड में जेम्स के शासन का अंत :-
जेम्स द्वितीय अपनी जनता का क्रांतिकारी रूप देखकर इंगलैंड की राजगद्दी छोड़कर भाग निकला। वह भागते समय इतना अधिक हतोत्साहित हो गया था कि उसने इंगलैंड की शाही मोहर को टेम्स नदी की धारा में फेंक दिया। उसके फरार हो जाने के फलस्वरूप इंगलैंड की राजगद्दी खाली पड़ी हुई थी। पार्लियामेंट ने मौका देखकर जेम्स की पुत्री मैरी और दामाद विलियम को संयुक्त रूप से इंगलैंड का शासक बना दिया।

2. जनमत पर विजय :- इतिहास के पन्ने साक्षी है कि जनता की शक्ति के सम्मुख सभी शासकों को झुकना पड़ा है। गौरवपूर्ण क्रांति भी इसका एक ज्वलन्त उदाहरण है। गौरवपूर्ण क्रांति एक महान क्रांति थी क्योंकि इसने एक बून्द भी खून बर्बाद किये बिना ही इंगलैंड की राजनीति को एक नई दिशा की ओर मोड़ दिया। इस तरह ये इस क्रांति ने सिद्ध कर दिया कि जनता की शक्ति सर्वोपरि है।

3. पार्लियामेन्ट्री शासन-प्रणाली की शुरुआत :- इस गौरवपूर्ण क्रांति को लोग इंगलैंड के वैधानिक शासन का आधार स्तम्भ मानते हैं। एक बहुत बड़े इतिहासकार रैनर के शब्दों में - विश्व के इतिहास में इस प्रथम बार पार्लियामेण्ट्री शासन-प्रणाली का आरम्भ होता है। अतः दुनिया की स्वतंत्रता के इतिहास में इस घटना को बड़ा ही महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है।

4. धार्मिक परिणाम:- गौरवपूर्ण क्रांति का धार्मिक परिणाम भी प्रोटेस्टेन्टों के लिए बहुत महत्वपूर्ण निकला। खासकर चार्ल्स द्वितीय और जेम्स द्वितीय के शासनकाल में कैथोलिकों की काफी धाक जम गई थी, लेकिन गौरवपूर्ण क्रांति के बाद कैथोलिक धर्म की हस्ती ही मिट गई। जेम्स द्वितीय के बाद चर्च पर से राजा का अधिकार खत्म हो गया। पार्लियामेंट ने कैथोलिक खतरा और उपद्रव को हमेशा के लिए नष्ट कर दिया। इंगलैंड में शीघ्र ही एक महत्वपूर्ण नियम पास कर यह घोषणा कर दी गई कि इंगलैंड का कोई भी शासक कैथोलिक राजकुमारी शादी नहीं कर सकता और न ही कैथोलिक धर्म को मान ही सकता है। इस तरह प्रोटेस्टेण्ट धर्म को इंगलैंड में हमेशा के लिए राजधर्म मान लिया गया।

गौरवपूर्ण क्रांति के निम्नलिखित राजनैतिक परिणाम:-

1. फ्रांस से दुश्मनी:- इंगलैंड राजा हॉलैण्ड का रहनेवाला विलियम जो फ्रांस का जानी दुश्मन था। अब इंगलैंड और फ्रांस में स्वभाविक रूप से स्थायी दुश्मनी कायम हो गयी। वे एक दुसरे को हड़प जाने के लिए तत्पर रहने लगे। विलियम को इंगलैंड का राजा बन जाने से हॉलैण्ड और इंगलैंड की शक्ति मिल गई जिसमें इंगलैंड को यह लाभ हुआ कि उसको खोई हुई प्रतिष्ठा फिर से प्राप्त हो गयी और इस संयुक्त शक्ति से यूरोप का कोई भी राष्ट्र उसके विरुद्ध का साहस नहीं कर सकता था।